CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2024 - 8.029

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

[Conference Special-NTMAE-24]

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना

कपिल उपाध्याय
झालावाड (राज.)
Email: upadhyaykapil85@gmail.com, Mobile-9602692363

First draft received: 14.05.2024, Reviewed: 19.05.2024, Final proof received: 18.06.2024, Accepted: 25.06.2024

सारांश

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन किया गया हैं। शोध के लिये राजस्थान के झालावाड जिले के 4 टीचर्स ट्रैनिंग कालेजों से 50 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 50 पुरूष प्रशिक्षणार्थी कुल 100 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को सोद्देश्य न्यादर्श विधि से चयन किया गया। प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा मनोजकुमार शर्मा द्वारा विकसित एवं प्रमापीकृत शोध उपकरण डॉ0 रविन्दर कौर, डॉ0 सरबजीत कौर 'रानू' एवं श्रीमती सरवजीत कौर 'बरार' द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत अध्यापक प्रतिबद्धता मापनी एवं डॉ. प्रमोद कुमार एवं डॉ. डी. एन. मुथा द्वारा निर्मित शिक्षण प्रभावशाली मापनी का प्रयोग किया गया इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। शोध परिणामों से प्राप्त हुआ कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया। बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

मुख्य शब्द : ***स्कूल इंटर्नशिप, व्यावसायिक प्रतिबद्धता, शिक्षण प्रभावशीलता आदि.***

प्रस्तावना

शिक्षा का प्रमुख कार्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना होता है। सर्वांगीण विकास का अर्थ व्यक्ति के भौतिक, बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक एवं अध्यात्मिक विकास से होता है। शिक्षक को शिक्षा प्रणाली की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। शिक्षक व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानव में कौशलों के विकास एवं ज्ञान अर्जन में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः शिक्षक के द्वारा ही उनकी कार्य शैली एवं श्शिक्षण प्रभावशीलता के द्वारा शिक्षा प्रणाली में प्रभावी ढ़ंग से सुधार एवं उन्नयन किया जा सकता है।

व्यावसायिक कुशलता के लिए सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान का होना अत्यंत आवश्यक है। सैद्धान्तिक ज्ञान व्यक्ति में वैचारिक दृष्टिकोण विकसित करता है, वहीं व्यावहारिक ज्ञान उसे अनुभव प्रदान करता है जिसके माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है। व्यावसायिक कुशलता के लिए आवश्यक है, व्यक्ति को व्यावसायिक एवं व्यावहारिक ज्ञान आवश्यक रूप से हो। व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति और व्यावहारिक ज्ञान के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम चलाये जाते हैं, उनमें से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इन्टर्नशिप प्रशिक्षण। इन्टर्नशिप कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी चयनित व्यवसाय से जुड़े हुए प्रत्येक पहलू से परिचित होता है तथा विभिन्न शैक्षिक व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन सीखता है। इन्टर्नशिप कार्यक्रम विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों में जैसे– चिकित्सा क्षेत्र, अभियांत्रिकी क्षेत्र आदि में पहले से ही संचालित हो रहे है। इस प्रकार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में इन्टर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण समयावधि है। इसी को ध्यान में रखकर भावी अध्यापकों की शिक्षण सक्षमता को उन्नयित करने के लिए शिक्षक शिक्षा में इन्टर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम को अनिवार्य कर दिया गया है जिससे शिक्षक शिक्षार्थियों में शिक्षा के व्यवसाय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकें।

व्यावसायिक प्रतिबद्धता

व्यवसाय के प्रति पूर्ण समर्पण भावना एवं अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा को व्यवसाय में समर्पित कर देने की तत्परता ही व्यावसायिक प्रतिबद्धता कहलाती है। अपने व्यवसाय के प्रति प्रत्येक क्षण प्रतिबद्ध होना ही व्यावसायिक प्रतिबद्धता कहलाती है। प्रतिबद्ध व्यक्ति अपना कार्य करके संतोष का अनुभव करते हैं। यह कार्य वे अपनी उत्तम क्षमता से करते हैं एवं किसी कार्य के सम्पन्न न होने पर पूरा दायित्व स्वयं स्वीकार करते हैं। उनमें कार्य के प्रति अच्छी मनोवृत्ति होती है एवं अपने आस पास कार्य करने वाले व्यक्तियों पर भी अपना प्रभाव डालते हैं। वे सदैव अपने कार्य को कुशल, नवीन एवं अलग ढंग से करते रहते हैं। वे एसे ा इसलिए नहीं करते कि उन्हें एसे ा करने के लिए कहा जाता है बल्कि इसलिए कि भविष्य में उनके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके।

शिक्षण प्रभावशीलता

शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले पाठ्यवस्तु के सन्दर्भ में छात्रों की उपलब्धि है। जब किसी शिक्षक द्वारा पढ़ाई गई पाठ्य सामग्री छात्रों को समझ में आती हैं ओर छात्रों की उस पर उपलब्धि अच्छी होती है, शिक्षकों द्वारा उपयुक्त शिक्षण सहायक सामग्री प्रयोग कर शिक्षण को सरल व ग्राह्य बनाया जाता है तो उसे प्रभावी शिक्षण की संज्ञा दी जाती है।

एक प्रभावी शिक्षक वह होता है जो लगातार उन लक्ष्यों को प्राप्त करता है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपने छात्रों के सीखने पर केंद्रित होते हैं।

शिक्षक प्रभावशीलता की अवधारणा का संबंध शिक्षक के शिक्षण की प्रभावशीलता से है। अर्थात् एक शिक्षक अपने अध्यापन कार्य से अपने शिष्यों को किस प्रकार संतुष्ट कर पाता है। किसी भी शिक्षक की प्रभावशीलता का मापन उसकी शिक्षण प्रक्रिया से प्राप्त विद्यार्थी के संतुष्टि स्तर शिक्षार्थियों की सफलता का स्तर एवं विशिष्ट व शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के स्तर होते हैं। दूसरे शब्दों में, किसी शिक्षक के शिक्षण प्रक्रिया निर्धारित मानक आवश्यक कौशल एवं आवश्यक पर्यावरण से समन्वित होकर जो शिक्षण उपलब्धियां प्राप्त होती है।

पूर्व शोध का अध्ययन

पाठक, अनुभव (2021) नें 'भाषा शिक्षकों की शिक्षण सक्षमता एवं व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अध्ययन' में निम्नवत उददेश्यों– (1) फिरोजपुर, रोपड़ एवं लुधियाना जनपदों के भाषा शिक्षकों की शिक्षण सक्षमता का मापन करना। (2) अधिक योग्य व कम योग्य भाषा शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना। इनके लिए न्यादर्श के रूप में 440 महिला एवं पुरूष प्रशिक्षित स्नातकों एवं 3 जनपदों के हाईस्कूल व इण्टर स्कूलों के 2000 छात्रों को लिया गया आँकडों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन, टी–मान तथा पीयर्सन सहसम्बन्ध गुणांक आदि सांख्यिकी विधियों द्वारा किया गया। निष्कर्ष में पाया

गया कि– शिक्षकों की शिक्षण क्षमता एवं व्यवसायिक प्रतिबद्धता के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। महिला शिक्षक, शहरी स्कूलों में कार्यरत् हाईस्कूल व माध्यमिक स्तर के भाषा शिक्षक शहरी माध्यमिक स्तर व ग्रामीण विद्यालयों के हाईस्कूली भाषा शिक्षकों से अधिक प्रतिबद्धता के पाए गये।

कुमार, अजय (2022) ने शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की सोच एवं प्रभावशीलता के संबन्ध में उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य शिक्षकों की सोचने की शैली तथा प्रभावशीलता का पता लगाना था। न्यादर्श के रूप में हरियाणा के चार जिलों–पानीपत, कुरुक्षेत्र, रेबाड़ी, तथा गुड़गाँव के शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों के 350 शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में लिया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि 33 प्रतिशत शिक्षक अपने व्यवसाय के प्रति उच्च रूप से प्रतिबद्ध थे, जबकि 38 प्रतिशत औसत तथा 29 प्रतिशत अध्यापक अपने व्यवसाय के प्रति कम प्रतिबद्ध थे।

राही, अनुराग (2020) ने टीचिंग कॉम्पीटेन्स एण्ड टीचिंग स्टाइल ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स पर अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों की शिक्षण शैली एवं शिक्षण प्रभावशीलता के बीच सम्बन्ध की जांच करना था। अध्ययन के लिए न्यादर्श हेतु मध्यप्रदेश राज्य के छत्तीसगढ़ शहर के 50 प्राइमरी शिक्षकों जिसमें से 23 पुरुष शिक्षकों तथा 27 महिला शिक्षकों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया। सर्वेक्षण विधि के प्रयोग द्वारा प्रदत्त एकत्र किये गये व निष्कर्ष में प्राप्त हुआ कि महिला एवं पुरुष शिक्षकों की शिक्षण शैली में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया व शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण शैली के मध्य धनात्मक सार्थक सम्बन्ध पाया गया।

कुशवाह, एस0 वाई0 (2022) ने इंटरमीडिएट स्कूलों के कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरूष एवं महिला शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता तथा शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन' के शीर्षक के उददेश्यों में– 1. शिक्षकों की लैंगिकता, विषय वर्ग तथा अनुभव के आधार पर शिक्षण अभिक्षमता तथा शिक्षण प्रभावशीलता ज्ञात करना। 2. शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता एवं शिक्षण प्रभावशीलता के बीच सम्बंध का अध्ययन करना। शोध कार्य के लिए न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से 480 शिक्षकों का चयन उनके शिक्षण अनुभव के आधार पर किया गया। आँकडों का संकलन जय प्रकाश तथा आर. पी श्रीवास्तव द्वारा निर्मित "शिक्षण अभिक्षमता" व एम. वर्मा की "वर्मा शिक्षण प्रभावशीलता परीक्षण" शोध उपकरणों द्वारा किया। अध्ययन में एक्स–पोस्ट फैक्टो शोध पर आधारित क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया। प्राप्त आँकडों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन, टी–परीक्षण, सहसम्बन्ध तथा अनोवा सांख्यिकी का प्रयोग किया। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों में– 1. महिला शिक्षक अन्य शिक्षकों की अपेक्षा बेहतर पाए गये। 2. शिक्षण अभिक्षमता में लैंगिक आधार पर अन्तर पाया गया। जबकि शिक्षण प्रभावशीलता में समानता पायी गई। 3. शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण अभिक्षमता के बीच निश्चित रूप से सार्थक सहसंबन्ध पाया गया।

समस्या कथन

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना

उद्देश्य

अध्ययन के निम्न उद्देश्य थे–

1. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।
2. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाऐं

अध्ययन की निम्न परिकल्पनाऐं थी–

1. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक सहसंबंध नही है।
2. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक सहसंबंध नही है।

शोध प्रविधि

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए शोधार्थी द्वारा राजस्थान के झालावाड जिले के 3 टीचर्स ट्रैनिंग कालेजों से 75 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 75 पुरूष प्रशिक्षणार्थी कुल 150 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को सोद्देश्य न्यादर्श विधि से चयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा निम्न प्रश्नावली का प्रयोग किया गया, जो निम्न है –

व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी :– डॉ0 रविन्दर कौर, डॉ0 सरबजीत कौर 'रानू' एवं श्रीमती सरवजीत कौर 'बरार' द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत अध्यापक प्रतिबद्धता मापनी का किया गया।

शिक्षण प्रभावशीलता मापनी :– डॉ. प्रमोद कुमार एवं डॉ. डी. एन. मुथा द्वारा निर्मित शिक्षण

प्रभावशाली मापनी का प्रयोग किया गया।

शोध विधि

इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का संकलन

शोधार्थी द्वारा प्रदत्तों के संकलन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्यो से अनुमति प्राप्त कर इन्टर्नशिप कर रहे महिला एवं पुरुष प्रशिक्षणार्थियों से व्यावसायिक प्रतिबद्वता मापनी एवं शिक्षण प्रभावशीलता से संबंधित प्रामाणिक मापनी को सोहार्द्रपूर्ण वातावरण में भरवायी गई।

प्रदत्तो का विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु संकलित प्रदत्तो का विश्लेषण **कालपियर्सन सहसंबंध गुणांक** विधि का प्रयोग किया गया।

परिणाम एवं विवेचना

परिणाम एवं व्याख्या

1. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।

शोध अध्ययन का उददेश्य झालावाड जिले के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना था। प्राप्त प्रदत्तो का विश्लेषण काल पियर्सन सह सबंध गुणांक द्वारा किया गया। प्रदत्त विश्लेषण का विवरण सारिणी 01 मे दर्शाया गया है।

तालिका 01

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध गुणांकों का सारांश

महिला शिक्षक	व्यावसायिक प्रतिबद्वता	शिक्षण प्रभावशीलता
व्यावसायिक प्रतिबद्वता	1	0.895**
Pearson Correlation (r)		0.000
Sig. (2-tailed) N	75	75
शिक्षण प्रभावशीलता	0.895**	1
Pearson Correlation (r)	0.000	
Sig. (2-tailed) N	75	75

**** सार्थकता का स्तर 0.01**

विवेचना

तालिका 01 से पता चलता है कि झालावाड जिले के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का मान .895 है, जोकि सार्थकता के स्तर 0. 01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना ''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक सहसंबंध नही है।'' निरस्त की जाती है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

2. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।

शोध अध्ययन का उददेश्य झालावाड जिले के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्वता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना था। प्राप्त प्रदत्तो का विश्लेषण काल पियर्सन सह सबंध गुणांक द्वारा किया गया। प्रदत्त विश्लेषण का विवरण सारिणी 01 मे दर्शाया गया है।

तालिका 01

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध गुणांकों का सारांश

पुरूष शिक्षक	व्यावसायिक प्रतिबद्धता	शिक्षण प्रभावशीलता
व्यावसायिक प्रतिबद्धता	1	0.923**
Pearson Correlation (r)		0.000
Sig. (2-tailed) N	75	75
शिक्षण प्रभावशीलता	0.923**	1
Pearson Correlation (r)	0.000	
Sig. (2-tailed) N	75	75

**** सार्थकता का स्तर 0.01**

विवेचना

तालिका 01 से पता चलता है कि झालावाड जिले के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का मान .923 है, जोकि सार्थकता के स्तर 0. 01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना ''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक सहसंबंध नही है।'' निरस्त की जाती है। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष

1. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान महिला प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया।
2. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक रूप से धनात्मक सहसबंध पाया गया, जो कि उच्च धनात्मक सहसंबंध है। अर्थात् बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के स्कूल इंटर्नशिप के दौरान पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध के प्राप्त परिणामों के अध्ययन से पता चलता है कि शिक्षक प्रशिक्षण के नीति निर्माताओं के लिए सुझाव यह है कि वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के साथ मिलकर बी.एड. इन्टर्नशिप के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों के लिए कम से कम 6 माह का ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएं। जिसमें प्रशिक्षणार्थी विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग, शैक्षिक वातावरण का निर्माण, सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक जीवन से संबंधित करने तथा किशोरावस्था से प्रौढ़ावस्था में प्रवेश करते विद्यार्थियों की समस्याओं को समझकर उनका का उचित प्रकार निदान कर सकें।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शुक्ला सी एस0 (2004) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन।
2. भटनागर, सुरेश (2005), वर्तमान भारतीय शिक्षा एवं समस्यायें, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।
3. शर्मा आर0 ए0 (1995) शैक्षिक अनुसंधान के सिद्धान्त मेरठ इण्टरनेशनल पब्लिकेशन हाउस।
4. त्यागी, गुरूसरनदास एवं नंद, उदीयमान भारत में शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. शर्मा, आर.ए., शिक्षा अनुसंधान आर.लाल बुक डिपो मेरठ 2006।
6. आस्थना, जी, प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान, प्रथम संस्करण, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 2006.
7. कपिल, एच. के. सिंह (2013) सांख्यिकी के मूल तत्व, आगराः अग्रवाल पब्लिकेशन्स।
8. बुच,एम. बी., फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन,वॉल्यूम–2 नई दिल्ली
9. इण्डियन एजुकेशन एब्सट्रेक्ट फिफ्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इनएजुकेशन,वॉल्यूम–5,
10. माथुर, प्रकल्प (2019) ''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता एवं व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन'', *Educational Policy Analysis Archive* 8(1), 1-44.
11. जीवशेखर (2019) ''कोयम्बटूर जिलें के 75 स्नातक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन'', भारतीय शोध जर्नल, न्यू दिल्ली जनवरी 2019.
12. राही, अनुराग (2020) '' टीचिंग कॉम्पीटेन्स एण्ड टीचिंग स्टाइल ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स पर अध्ययन '' अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध , देवीअहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
13. कुशवाह, एस0 वाई0 (2022) ''इंटरमीडिएट स्कूलों के कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरूष एवं महिला शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता तथा शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन'', *European Journal of Educational Studies* 4(2), 282-287.